

धमाके से पहले का मौन

हर आरंभ उत्साह उत्पन्न करता है। अज्ञात हमारी ओर नहीं बढ़ता; हम ही उसकी ओर बढ़ते हैं। यह एक सुंदर अनुभूति है। एड्रेनलिन, डोपामाइन, और उनका सारा परिवार हमें सहज विश्वास के साथ आगे बढ़ाता है। छोटे, अंतरंग क्षण शेष रह जाते हैं, सभी एक ही उद्देश्य से जन्मे हुए। वे किसी ट्रेंड, किसी पैटर्न, या किसी प्रारूप का अनुसरण नहीं करते। वे उसे रचते हैं।

फिर परिणामों की प्रत्याशा आती है। यह क्रिया का एक स्वाभाविक परिणाम है। त्याग, प्रयास, और निवेशित समय हमेशा बदले में कुछ मांगते प्रतीत होते हैं। कभी-कभी परिणाम शोर के माध्यम से स्वयं की घोषणा करता है: वह स्थान जहां चीजों ने एक दृश्यमान प्रभाव उत्पन्न किया है। अन्य समय यह मौन के माध्यम से आता है: वह स्थान जहां चीजों ने फिर भी एक प्रभाव उत्पन्न किया है, लेकिन हमें उसका बोध कराए बिना। वे एक जैसे प्रतीत हो सकते हैं, लेकिन वे एक जैसे नहीं हैं।

शोर आवाज़ें, आलोचना, शब्द, सामाजिक संकेत, घोषणाएँ और अभिव्यक्तियाँ उत्पन्न करता है। मौन भी वही हलचलें उत्पन्न करता है, बस हमारी आँखों से दूर। फिर भी इन दोनों जगहों के बीच साझा आधार अक्सर एक ही चीज़ होती है: पैसा। यह कई रूपों में प्रकट होता है। एक साक्षात्कार। एक विज्ञापन। एक सम्मेलन। लेकिन सबसे ठोस, सबसे कम प्रतीकात्मक, और सबसे व्यापक रूप बैंक ट्रांसफ़र ही रहता है। जो सुख और बेचैनी, दोनों उत्पन्न करने में सक्षम है, यद्यपि लगभग हमेशा अस्थायी प्रभावों के साथ।

और वहाँ मैं था, अगस्त की एक गर्म और उमस भरी शाम में, पहले ही सोने जाने का निर्णय ले चुका था। इसके बजाय मैंने क्या किया? मैं उछलकर उठा, अपनी मेज़ तक गया, अपना कंप्यूटर खोला, और यह चिंतन लिखना शुरू किया। लेकिन क्यों? मेरे पास कोई परियोजना नहीं है, कोई अपेक्षा नहीं, कोई महत्वाकांक्षा नहीं। मैं उसी से जीता हूँ जो पहले से मेरा है, और यही पर्याप्त है। मुझे अपने जीवन को बदलने की कोई अपेक्षा नहीं है, और मैं हर दिन ईश्वर का धन्यवाद करता हूँ कि उसने मेरे अपने अस्तित्व के मंच पर रोशनी जलाए रखी है।

तो, क्या हुआ? मैंने अभी-अभी अपनी वेबसाइट के ट्रैफ़िक डेटा की समीक्षा की थी। यह देखने में एक ख़ास आनंद है कि कितने लोगों ने दौरा किया, वे किन देशों से आए, और उन्होंने कौन-से पन्ने खंगाले। यह सब यह जानते हुए कि मैं किसी ख़रीद की तलाश में नहीं था, क्योंकि मैंने साहित्य न बेचने, उसका मुद्राकरण न करने का चुनाव किया था। बेज़ोस के बच्चे पहले से ही वह काम कर रहे थे। वह कभी मेरा काम नहीं था।

हाल के दिनों में, वेब ने 80% की गिरावट दर्शाई थी। एक सामान्य पतन। कोई बातचीत नहीं। कोई ईमेल नहीं। कोई बाहरी संकेत नहीं। केवल मौन शेष रह गया था। एक ऐसा मौन जो बोलता था और एक विस्फोट की घोषणा करता था। भूकंपों ने मुझे यह सबक सिखाया था। और प्रकृति शायद ही कभी ग़लत होती है। लेकिन मैं चिंतित नहीं था। मैं बस

मुस्कराहटों और चिंतनों से भरा हुआ था, इस बात से अवगत कि मेरे साथ क्या होने वाला था। यह धमाकेसे पहले का मौन था।

बहुतों के लिए, यह बिना कार्रवाई का शोर था। मेरे लिए, यह बिना शोर की कार्रवाई थी। फिर, भोर में, किसी ने दरवाज़ा खटखटाया। वह कोई कूरियर नहीं था। वह एक पत्र था। लाल मोम से सीलबंद। भेजने वाले का नाम सीधा-सा था: डायनामाइट। लेकिन मैंने उसे भेजने वाले को वापस कर दिया। मैं केवल धमाकों की उम्मीद कर रहा था। मैं इतना अधिक चाहता भी नहीं था।

Ferdinando Frega

Ferdinando Frega — gillettenarrative.com